आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–19 अगस्त 2024 सान्ध्य समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार का स्पष्ट मत है कि संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण की सुविधा का लाभ आरक्षित श्रेणी के लाभार्थियों को प्राप्त होना ही चाहिए। किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि उनहत्तर हजार शिक्षक भर्ती प्रकरण में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा न्यायालय के निर्णय के सभी तथ्यों से उन्हें अवगत कराया गया है। उन्होंने न्यायिक निर्णयों के अनुसार विभाग को कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह उत्तर प्रदेश सरकार को उनहत्तर हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती से संबंधित नई चयन–सूची तीन महीने के भीतर जारी करने का निर्देश दिया था। पीठ ने कहा कि आरक्षित श्रेणी के जो उम्मीदवार सामान्य श्रेणी में रखे जा सकते हैं, उन्हें रखा जाना चाहिए।

****

पदम पुरस्कारों से सम्मानित देश के सत्तर से अधिक डॉक्टरों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कोलकाता दुष्कर्म और हत्या मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। इन डॉक्टरों ने कहा है कि चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की सुरक्षा पर तत्काल ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

****

देशभर में आज रक्षा बंधन का पर्व उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रंग–बिरंगी राखी बांध रही हैं और उनकी समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रार्थना कर रही हैं। आज भाई अपनी बहनों की रक्षा और सहायता का वचन देते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। प्रदेश सरकार ने कल रात बारह बजे से आज रात बारह बजे तक रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए महिलाओं के लिए रोडवेस बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की है। रामनगरी अयोध्या में आज रामलला समेत चारों भाइयों को राखी बांधी गई। मोती और जरी से तैयार यह राखियां श्रृंगी ऋषी आश्रम की महिलाओं ने भेजी हैं जिन्हें रामलला की बड़ी बहन शांता का प्रतिनिधि माना जाता है। मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने भगवान राम सहित सभी भाईयों की कलाई पर राखी बांध कर परम्परा का निर्वहन किया। मथुरा जिले के वृंदावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी के लिए देश विदेश से करीब दस हजार राखियां पहुंची हैं। राखियों के साथ पत्र भेज कर श्रद्धालुओं ने बांके बिहारी जी से भाई के रूप में ताउम्र साथ निभाने का वचन मांगा है। प्रदेश में कई संगठनों, जिला कारागारों और संस्थाओं में रक्षाबंधन के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

****

प्रदेश में इंसेफेलाइटिस के कारण होने वाली मृत्यु दर में पिछले सात वर्षों में बारह दशमलव छह चार फीसदी की कमी आई है। इस बीमारी के कारण पूर्वी उत्तर, बिहार और नेपाल में बरसात के मौसम में सबसे अधिक बच्चों की मौतें होती थीं। वर्ष दो हजार सत्रह में प्रदेश में इंसेफेलाइटिस की मृत्यु दर तेरह दशमल आठ सात फीसदी थी, जो वर्ष दो हजार तेईस में घट कर एक दशमलव दो तीन फीसदी रह गयी है। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की सचिव डॉ पिंकी जोवेल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभालते ही संचारी रोगों एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम एईएस और जापानीज इंसेफेलाइटिस जेई पर अंकुश लगाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा था। इसी कड़ी में तेरह अलग अलग विभागों को एक प्लेटफार्म पर लाकर बीमारी के नियंत्रण के प्रयास किये गये।

****

सावन माह के अंतिम सोमवार पर आज प्रदेश के विभिन्न शिवमंदिरों में भक्तों ने दर्शन पूजन किया। वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार आज ग्यारह विद्वान अर्चकों, ट्रस्टी गण व अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में विधि विधान पूर्वक श्री विश्वनाथ जी की पंच बदन मूर्ति का पंचगव्य स्नान पूर्ण कराया गया। । साथ ही बाबा के झूला श्रृंगार की परम्परा का निर्वहन किया जा रहा है। बाबा को तिरंगा राखी भी बांधी गई। रामनगरी अयोध्या में भी सावन के अंतिम सोमवार को शिव भक्तों ने सरयू नदी में स्नान कर सिद्ध पीठ नागेश्वर नाथ का दर्शन पूजन किया। हनुमानगढ़ी और रामलला मंदिर में भी दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। अमरोहा जिले के ऐतिसाहिक वासुदेव तीर्थस्थल पर भी श्रद्धालुओं ने दिन भर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और भगवान शिव के जयकारे लगाए।

****

वाराणसी जिले में गंगा नदी के जल स्तर में एक सेंटीमीटर प्रति घंटा की दर से बढ़ोत्तरी जारी है। इसके चलते कई पक्के घाट जलमग्न हैं। मणिकर्णिका और हरिशचन्द्र घाटों पर अंतिम संस्कार छतों व सीढ़ियों पर हो रहा है। उधर, बलरामपुर जिले में सीमावर्ती भारत नेपाल की पहाड़ियों पर हुई वर्षा के कारण कई पहाड़ी नाले उफान पर हैं। राप्ती नदी का जल स्तर चेतावनी बिंदु से ऊपर चला गया, हालंकि यह खतरे के निशान से अभी आठ सेंटीमीटर नीचे है। स्थिति को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

****